घटना

उमरपानी क्षेत्र में मिला शव, पीएम के बाद हुआ अंतिम संस्कार, बीमार मादा बाघ और शावक को भेजा गया क्वारंटाइन सेंटर

कान्हा टाइगर रिजर्व में मादा बाघ शावक की मौत

कान्हा/मंडला। कान्हा टाइगर रिजर्व मण्डला के अंतर्गत परिक्षेत्र सरही के उमरपानी कक्ष क्रमांक 669 (68) में एक मादा बाघ शावक की मृत्यु का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही पार्क प्रबंधन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र को सुरक्षित किया और हाथियों की मदद से गहन छानबीन की।

उप संचालक के निर्देशानुसार, मृत मादा बाघ शावक के शव को पोस्टमार्टम के लिए जबलपुर भेजा गया था। रविवार, 26 अप्रैल को विशेषज्ञों की टीम, जिसमें डॉ. सोमेश मिश्रा और डॉ. निधि राजपूत शामिल थे, की उपस्थिति में पोस्टमार्टम संपन्न हुआ। निर्धारित एसओपी का पालन करते हुए मुख्य वन संरक्षक मसतराम बघेल, क्षेत्र संचालक कान्हा टाइगर रिजर्व और अन्य राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

बीमार बाघ और एक अन्य शावक का किया रेस्क्यू

इसी क्षेत्र में एक अन्य मादा बाघ और उसके शावक के बीमार होने की सूचना पर रविवार को एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) और कान्हा टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक की उपस्थिति में बांधवगढ़ से आए वन्यप्राणी चिकित्सकों ने मादा बाघ और शावक को बेहोश कर उनका रेस्क्यू किया।

जांच के लिए सैंपल-रेस्क्यू के बाद चिकित्सकों ने बीमारी का पता लगाने के लिए बाघों के रक्त, स्वैब और स्लाइड सैंपल लिए। वर्तमान में मादा बाघ और शावक को नियमित स्वास्थ्य जांच और निगरानी के लिए मुक्की परिक्षेत्र स्थित क्वारंटाइन सेंटर भेज दिया गया है। पूरी कार्रवाई की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी कराई गई है।

नरवाई की आग से बम्हनी बंजर-ढेंको मार्ग पर लगा जाम

धुएं के गुबार के बीच थमे वाहनों के पहिये, एक घंटे तक बाधित रहा यातायात

बम्हनी बंजर। गेहूं की कटाई के बाद खेतों में बची नरवाई में आग लगाने की बढ़ती घटनाएं अब आमजन और राहगीरों के लिए बड़ी परेशानी का सबब बनने लगी हैं। सोमवार दोपहर को बम्हनी बंजर क्षेत्र के एक खेत से शुरू हुई आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और कई खेतों को अपनी चपेट में ले लिया।

बताया गया कि दोपहर करीब 4 बजे नरवाई की आग से उठे काले और घने धुएं के कारण बम्हनी बंजर-ढेंको मुख्य मार्ग पर दृश्यता शून्य के बराबर हो गई। धुएं के गुबार और आग की उठती लपटों की वजह से वाहन चालकों को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्थिति को देखते हुए वाहन चालकों ने सुरक्षा की दृष्टि से अपने वाहन सड़क किनारे खड़े कर दिए।

बड़े हादसे का अंदेशा- स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि नरवाई जलाने की यह लापरवाही किसी भी दिन बड़े हादसे को न्यौता दे सकती है। सड़क किनारे स्थित खेतों में आग लगने से न केवल पर्यावरण दूषित हो रहा है, बल्कि सड़क हादसों का खतरा भी बढ़ गया है।

प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग-क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि नरवाई जलाने वाले भू-स्वामियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही किसानों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता है जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर लगाम लगाई जा सके।

10 राज्यों से दस्तयाब किए गए 41 बालक-बालिकाएं

ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस ने 41 परिवारों के चेहरों पर लौटाई मुस्कान, परिजनों को सौंपा

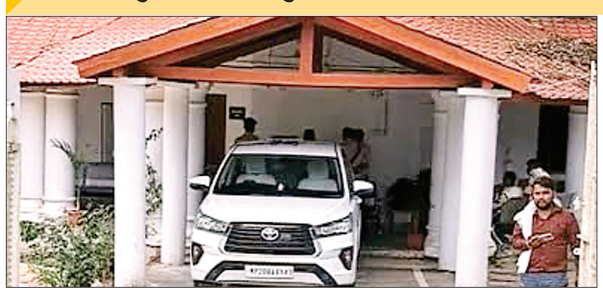

मंडला। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार और पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। 01 अप्रैल से प्रारंभ हुए इस अभियान के तहत पुलिस ने अब तक कुल 41 बालक-बालिकाओं को सुरक्षित दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं नोडल अधिकारी शिव कुमार वर्मा के दिशा-निर्देशों में संचालित इस अभियान के दौरान पुलिस ने 39 बालिकाओं और 02 बालकों को खोज निकाला। सतीश कुमार चतुर्वेदी द्वारा की जा रही सतत मॉनिटरिंग के परिणामस्वरूप जिले के विभिन्न थानों ने सक्रिय भूमिका निभाई। विशेष रूप से कोतवाली, बम्हनी, बिछिया, घुघरी, नैनपुर और मोहगांव थानों का कार्य उत्कृष्ट रहा, जबकि मोतीनाला एवं बीजाडांडी पुलिस ने गुमशुदगी के मामलों में शत-प्रतिशत सफलता अर्जित की है।

10 राज्यों और कई जिलों में फैला सर्चिंग अभियान

मण्डला पुलिस ने बच्चों की तलाश के लिए केवल स्थानीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि अंतर्राज्यीय और अंतरजिला समन्वय स्थापित कर व्यापक सर्चिंग की। पुलिस टीमों ने तकनीकी सहायता और सीसीटीवी फुटेज के सूक्ष्म विश्लेषण के आधार पर मध्यप्रदेश के जबलपुर, भोपाल, डिंडोरी और धार सहित अन्य राज्यों जैसे महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा, बिहार, केरल और कर्नाटक से बच्चों को सकुशल बरामद किया।

तकनीकी और सघन पूछताछ का लिया सहारा

लापता बच्चों को खोजने के लिए पुलिस ने परिजनों, मित्रों और परिचितों से सघन पूछताछ के साथ-साथ बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और बाजारों के फुटेज खंगाले। पुलिस की इस संवेदनशील पहल से प्रभावित परिवारों ने प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। मण्डला पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध बालक-बालिका की जानकारी मिलने पर तत्काल डायल-112 या नजदीकी थाने में सूचित करें।

टायर फटने से अनियंत्रित होकर पलटा ट्रक, बड़ा हादसा टला

नारायणगंज-मंडला मार्ग पर भावल के पास की घटना

नारायणगंज, नवभारत। मंडला-जबलपुर मार्ग पर नारायणगंज से मंडला की ओर ग्राम भावल के समीप एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते रह गया। उड़ीसा से गुड़गांव की ओर जा रहा एक ट्रक अचानक टायर फटने के कारण अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

जानकारी अनुसार ट्रक क्रमांक सीजी 04 एमएम 8011 उड़ीसा से माल लेकर गुड़गांव जा रहा था। जैसे ही वाहन नारायणगंज के ग्राम भावल के पास पहुँचा, अचानक उसका एक टायर फट गया। टायर फटने से चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ट्रक हाईवे से नीचे उतरकर पलट गया। इस हादसे में ट्रक को आंशिक क्षति पहुँची है, लेकिन चालक और परिचालक सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

मंडला-जबलपुर मार्ग जिले के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक है। यहाँ प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में दोपहिया, चार पहिया और भारी वाहनों का आवागमन रहता है। गनीमत रही कि ट्रक हाईवे के बीचों-बीच न पलटकर नीचे उतरा, अन्यथा किसी बड़े वाहन या राहगीर की चपेट में आने से भीषण हादसा हो सकता था। अनियंत्रित ट्रक मार्ग से नीचे पलटने से एक बड़ा हादसा टल गया।

अक्सर होते हैं भावल के पास हादसे

जिस स्थान पर यह दुर्घटना हुई, उसके आसपास का क्षेत्र काफी सघन आबादी वाला है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर यातायात का दबाव अधिक होने के कारण यहाँ हमेशा जोखिम बना रहता है। ट्रक के हाईवे से नीचे पलटने के कारण यातायात बाधित नहीं हुआ और एक बड़ी अनहोनी टल गई। बताया गया कि ग्राम भावल में एक से दो किलोमीटर के क्षेत्र में आए दिन सड़क हादसे होते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि मंडला से नारायणगंज की तरफ और नारायणगंज से मंडला की ओर दोनों तरफ हाईवे पर खतरनाक मोड़ है। इसी दोनों खतरनाक मोड़ के बीच में ग्राम भावल बसा है। हाईवे से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों का कहना है कि आवागमन की सुविधा के लिए नेशनल हाईवे 30 मार्ग का निर्माण किया गया है, लेकिन मंडला से जबलपुर हाईवे मार्ग में खतरनाक मोड़ है, जो अब जानलेवा साबित हो रहा है।

साईकिल पाकर बेटियों को मिला आत्मनिर्भरता का सहारा

भीमंडोंगरी स्कूल में छात्र-छात्राओं को किया साइकिल वितरण

भुआ बिछिया, नवभारत। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भीमंडोंगरी में मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, विशेषकर बेटियों को शिक्षा की दिशा में आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे बिना किसी बाधा के नियमित रूप से विद्यालय आवागमन कर सकें।

कार्यक्रम का आयोजन जनपद सदस्य अनंत सिंह राठौर की मुख्य उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यार्थियों को साइकिलें सौंपीं, जिन्हें पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम में सुखमन धुर्वे, सरपंच ओम प्रकाश मरावी, करन सिंह मरावी, उप सरपंच हनुमान जाट, समाजसेवी अक्षय कुमार परते, नारायण राय और प्राचार्य पीके पटेल सहित शाला प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की दी प्रेरणा

साइकिल वितरण के दौरान शिक्षकों और अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें अनुशासन बनाए रखने, नियमित अध्ययन करने और अपने लक्ष्यों के प्रति सदैव समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। वक्ताओं ने कहा कि यह योजना ग्रामीण अंचलों में शिक्षा के स्तर को सुधारने और स्कूल छोड़ने की दर को कम करने में सहायक सिद्ध होगी। अंत में सभी उपस्थित जनों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

बिछिया और मोतीनाला थाने में गूंजी रोजगार की उम्मीद

130 से अधिक युवाओं ने प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के शिविर में लिया हिस्सा

भुआबिछिया। पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा के निर्देशन में जिले के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए रोजगार उन्मुख अभियान निरंतर जारी है। इसी कड़ी में थाना बिछिया एवं थाना मोतीनाला परिसर में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से विशेष प्रशिक्षण एवं चयन शिविरों का आयोजन किया गया।

बताया गया कि थाना बिछिया परिसर में आयोजित शिविर में क्षेत्र के लगभग 100 युवक-युवतियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान अभ्यर्थियों को जबलपुर और भोपाल जैसे शहरों में उपलब्ध विभिन्न रोजगार के अवसरों की जानकारी दी गई। चयन प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों को 2-व्हीलर, 4-व्हीलर सर्विस टेक्नीशियन, हाउसकीपिंग और फूड एंड बेवरेज सर्विस जैसे ट्रेडों के बारे में बताया गया। चयनित उम्मीदवारों को 12 हजार से 15 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन के साथ नि:शुल्क ड्रेस, जूते और प्रशिक्षण सामग्री प्रदान की जाएगी।

दूरस्थ अंचलों के युवाओं को मिला मार्गदर्शन-थाना मोतीनाला परिसर में आयोजित शिविर में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 32 युवाओं ने सहभागिता की। संस्था के प्रतिनिधियों ने 45 दिवसीय नि:शुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। शिविर में ऑटोमोबाइल, होटल मैनेजमेंट, कंस्ट्रक्शन, ब्यूटी पार्लर और कंप्यूटर सहित कुल 32 विभिन्न सेक्टरों में भविष्य बनाने के अवसरों से अवगत कराया गया।

निरंतर जारी रहेंगे प्रयास-प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन की टीम द्वारा प्रदान किए गए प्रभावी मार्गदर्शन के बाद कई अभ्यर्थियों ने प्रशिक्षण में सम्मिलित होने की सहमति व्यक्त की है। मंडला पुलिस का लक्ष्य है कि युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से स्वावलंबी बनाया जाए। विभाग द्वारा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

आधी आबादी की नजर से परखी गई गांव की सुरक्षा

महिलाओं के अनुभवों से तैयार होगी जेंडर जस्टिस लैब की कार्ययोजना

भुआ बिछिया। स्काई सोशल संस्था भोपाल के मार्गदर्शन में साहस जेंडर जस्टिस लैब द्वारा बिछिया विकासखण्ड के ग्राम लपटी में एक विशेष सेफ्टी ऑडिट का आयोजन किया गया। इस ऑडिट का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा स्थिति का जमीनी आकलन करना और उनके अनुभवों के आधार पर सुरक्षा के मानकों को सुदृढ़ करना है।

इस ऑडिट प्रक्रिया में ग्राम की महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए उन स्थानों, समय और परिस्थितियों की पहचान की जहाँ वे असुरक्षित महसूस करती हैं। समूह चर्चा, नक्शा मैपिंग और वॉक-थ्रू-विजिट (पैदल भ्रमण) के माध्यम से महिलाओं ने बताया कि स्ट्रीट लाइट का अभाव, सुनसान रास्ते और शराब दुकानों के आसपास का माहौल उनकी सुरक्षा के लिहाज से चुनौतीपूर्ण है। इसके अलावा, सार्वजनिक शौचालयों तक पहुँचने के रास्तों पर भी असुरक्षा की बात सामने आई।

प्रशासन के साथ साझा होंगे सुझाव

ऑडिट के दौरान महिलाओं ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए, जिनमें प्रमुख स्थानों पर प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग शामिल है। स्काई सोशल भोपाल की फाउंडर सुश्री श्रृष्टि प्रगट ने बताया कि इस ऑडिट का मूल उद्देश्य महिलाओं के मत को प्राथमिकता देते हुए गांव को सुरक्षित बनाने की कार्ययोजना तैयार करना है।

महिला सुरक्षा को लेकर भविष्य में उठाए जा सकेंगे ठोस कदम

संस्था द्वारा एकत्र किए गए इन निष्कर्षों और सुझावों को स्थानीय पंचायत, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के साथ साझा किया जाएगा। इससे भविष्य में महिला सुरक्षा के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाए जा सकेंगे। इस पहल से न केवल गांव की बेटियां और महिलाएं अपने आपको अधिक सुरक्षित महसूस करेंगी, बल्कि समाज में उनकी भागीदारी और आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी।

30 को होगी नवदुर्गा बीज उत्पादक समिति की विशेष आम सभा

नैनपुर। नवदुर्गा बीज उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित उमरिया के प्रबंधन द्वारा समिति की एक महत्वपूर्ण विशेष साधारण आम सभा का आयोजन आगामी 30 अप्रैल को नैनपुर स्थित समिति के कार्यालय में सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगी। समिति के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस विशेष आम सभा का मुख्य एजेंडा समिति के उन सदस्यों की पात्रता की समीक्षा करना है जो नियमों के दायरे में नहीं आते हैं। बैठक के दौरान समिति के अपात्र सदस्यों के संबंध में ठोस निर्णय लिया जाएगा। यह कार्रवाई समिति के सुचारू संचालन और पारदर्शिता बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। समिति प्रबंधन ने सभी सम्मानित कृषक सदस्यों को इस संबंध में सूचित करते हुए आग्रह किया है कि वे निर्धारित समय और स्थान पर उपस्थित होकर सभा की कार्यवाही में सम्मिलित हों। सभी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य और प्रार्थनीय है ताकि सर्वसम्मति से उचित निर्णय लिया जा सके।

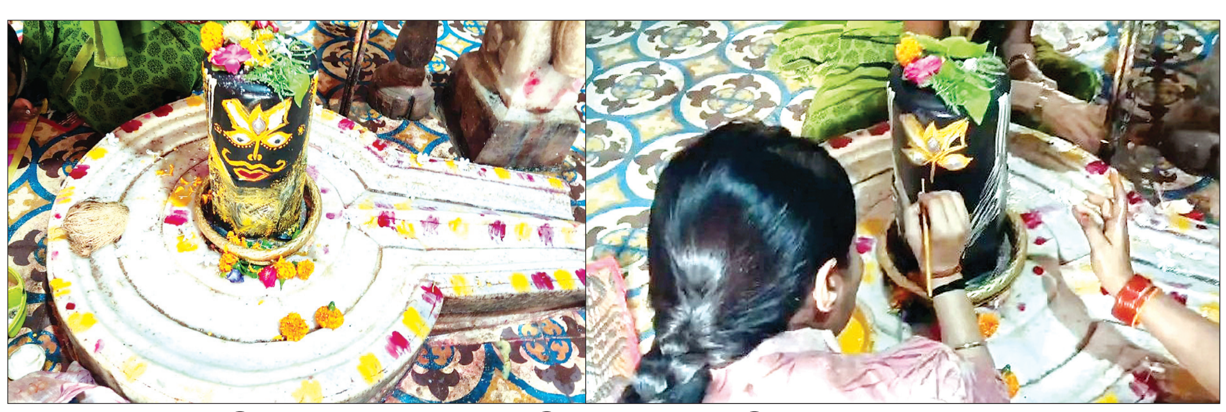

संरक्षण की बाट जोह रही जिले की पुरातात्विक धरोहर

व्यास नारायण मंदिर के संवर्धन के लिए भक्तों से आगे आने की अपील

मंडला। आदिवासी बाहुल्य जिला माहिष्मती नगरी के नर्मदा तट पर स्थित ऐतिहासिक और पुरातात्विक धरोहर व्यास नारायण मंदिर में भक्ति और आस्था का संगम अनवरत देखने को मिल रहा है। किले वार्ड राजराजेश्वरी क्षेत्र में स्थापित इस प्राचीन मंदिर में वर्ष 2019 से प्रत्येक सोमवार को सामूहिक रुद्राभिषेक, आरती और प्रसादी वितरण का आयोजन श्रद्धापूर्वक किया जा रहा है।

जानकारी अनुसार व्यास नारायण मंदिर का धार्मिक महत्व अत्यंत विशिष्ट है। मान्यताओं के अनुसार माँ नर्मदा की उत्तर वाहिनी परिक्रमा का संकल्प इसी मंदिर से प्रारंभ होता है और परिक्रमा की पूर्णता के बाद मां नर्मदा को जल अर्पण के साथ इसका समापन भी यहीं होता है।

अनवरत सेवा के साथ भक्ति का संकल्प

मंदिर में चल रही इस भक्ति यात्रा को क्षेत्र के दीपक सोनी, महेंद्र बर्वे, पंडित कमलेंद्र ज्योतिषी, पंडित त्रिभुवन नाथ और स्थानीय मातृशक्ति के विशेष सहयोग से निरंतरता मिल रही है। व्यास नारायण मंदिर में स्थापित भोलेनाथ का प्रत्येक सोमवार को अभिषेक कर विशेष श्रृंगार किया जाता है।

संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता

बताया गया कि व्यास नारायण मंदिर धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से इतना महत्वपूर्ण होने के बावजूद, वर्तमान में इस पुरातात्विक धरोहर को विशेष संरक्षण और संवर्धन की दरकार है। मंदिर समिति और प्रबुद्धजनों ने जिले के समस्त भक्तों और नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इस ऐतिहासिक स्थल के अस्तित्व को बचाने और इसके विकास में अपना मार्गदर्शन व सहयोग प्रदान करें। मंदिर के कायाकल्प से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि हमारी प्राचीन विरासत भी सुरक्षित रह सकेगी।